भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1991

जिसका उत्तर 5 अगस्त, 2021 को दिया जाना है ।

14 श्रावण, 1943 (शक)

भारत में फिशिंग हमलों में बढ़ोतरी

1991. श्री संजय सिंह :

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि एंडरॉयड के लिए कैस्परस्काई इंटरनेट सिक्योरिटी द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार भारत में व्हाट्सऐप और टेलीग्राम के माध्यम से फिशिंग हमलों में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार ने इस स्थिति को नियंत्रित करने के लिए वस्तु-स्थिति पर निगरानी रखने की योजना बनाई है अथवा हाल ही में कोई गैर-फिशिंग प्रौद्योगिकी विकसित की है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं ?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री राजीव चंद्रशेखर)

(क) और **(ख)**: एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं के लिए कास्परस्की इंटरनेट सुरक्षा ने जुलाई 2021 में रिपोर्ट प्रकाशित की है जिसमें यह उल्लेख किया गया है कि व्हाट्सएप, टेलीग्राम आदि के माध्यम से फ़िशिंग हमलों में वृद्धि हुई है ।

फर्जी ईमेल, एसएमएस संदेश, फ़िशिंग वेबसाइट और व्हाट्सएप के माध्यम से अभियान से सम्बंधित गतिविधि जिसमे वैध सेवाओं से होने का दिखावा करते है तथा उपयोगकर्ताओं को वित्तीय धोखाधड़ी करने के लिए क्रेडेंशियल प्रकट करने के लिए लुभाते हैं। भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल (सर्ट -इन) द्वारा रिपोर्ट और ट्रैक की गई सूचना के अनुसार, वर्ष 2018, 2019, 2020 और 2021 (जून तक) के दौरान क्रमशः 454, 472, 280 और 138 फ़िशिंग की घटनाएं देखी गईं।

(ग) और **(घ):** भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल (सर्ट-इन) फ़िशिंग वेबसाइटों को ट्रैक और अक्षम करने और धोखाधड़ी गतिविधियों की जांच की सुविधा के लिए सेवा प्रदाताओं, नियामकों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों (एलईए) के साथ समन्वय में काम करती है।

सर्ट -इन नियमित आधार पर कंप्यूटर, मोबाइल फोन, नेटवर्क और डेटा की सुरक्षा के लिए नवीनतम साइबर खतरों/कमजोरियों और प्रति-उपायों के संबंध में अलर्ट और सलाह जारी करता है। संगठनों और नागरिको के लिए सर्ट -इन ने डेटा सुरक्षा और धोखाधड़ी गतिविधियों को कम करने के लिए 60 परामर्श जारी किए हैं । उपयोगकर्ताओं के लिए उनके डेस्कटॉप, मोबाइल/स्मार्ट फोन को सुरक्षित रखने और फ़िशिंग हमलों को रोकने के लिए सुरक्षा युक्तियाँ प्रकाशित की गई हैं।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय सूचना सुरक्षा शिक्षा और जागरूकता (आईएसईए) परियोजना को लागू कर रहा है, जिसमें सूचना सुरक्षा पर जन जागरूकता पैदा करने का एक घटक शामिल है। इस परियोजना के तहत, इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग पर जानकारी और युक्तियों के प्रसार के लिए जागरूकता पुस्तिकाएं वितरित की गईं, जिसमें सामान्य अवलोकन, तकनीक, फ़िशिंग संदेशों को पहचानने के लिए सुझाव और क्या करें और क्या न करें सहित अन्य बातों के साथ-साथ फ़िशिंग हमलों पर एक अध्याय शामिल है । जागरूकता सामग्री को वेबसाइट www.isea.gov.in और www.infosecawareness.in पर डाउनलोड करने के लिए ऑनलाइन भी उपलब्ध कराया गया है।

****